

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

### सत्संग परिचय - २

रविवार, ४ जुलाई, २०१०

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां .....  
रेकर - नाम

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → 

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गए उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

## Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID**.
6. Marks for Question → 

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. Answers written on extra pages will not be considered valid.

**विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय**

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “घर शीघ्र लौटो और अपना काम निबटा दो ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३

२. “मैंने तुम्हें पर्वतभाई के पास बातें सुनाने के लिये नहीं, उनसे बातें सुनने के लिए भेजा था ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३

३. “आग लगा दे इसे ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. सुन्दरजी बढई का गर्व गल गया ।

.....  
.....  
.....  
.....

गुण : २

२. रामप्रतापभाई ने दामोदरभाई से कहा, “अपनी सुरत मुझे कभी मत दिखाना ।”

.....  
.....  
.....  
.....

गुण : २



उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए । ( कुल गुण : ५ )

१. शास्त्रीजी महाराज द्वारा निर्माण किये गए पाँच मन्दिरों के नाम लिखिए ।

गुण : १

२. शिक्षापत्री में धर्म किसे कहा गया है ?

गुण : १

३. गुप्त बातें उद्घाटित करने से कौन सा पाप लगता है ?

गुण : १

४. शास्त्रों की व्याख्या को केवल किस के मुख से सुननी चाहिए ?

गुण : १

५. 'हे महाराज ! अपने साधु से परिचित कराना ।' ऐसी प्रार्थना कौन करता था ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ 'विषय के मार्ग में.....' - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । ( कुल गुण : ५ )



**विभाग - २ : प्रागजी भक्त**

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “अब तो मैं निवृत्त हो गया हूँ, मैं पेन्शन पर हूँ ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

२. “तुम्हारी दुर्बल काया मण्डलधारी स्वामी के योग्य नहीं है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

३. “धन और स्त्री में शाश्वत सुख नहीं है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **9** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. पवित्रानन्द स्वामी प्रागजी भक्त को विमुख करने के लिये तैयार हुए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. प्रागजी भक्त ने अपनी माता की साड़ी का मूल्यवान लेस बेच दिया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २





प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. प्रागजी भक्त ने कितने आम के वृक्षों को कितने कलसे पानी डाला ?

गुण : १

२. प्रागजी भक्त को साक्षात्कार हुआ तब श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ?

गुण : १

३. सच्चा ज्ञान किसे कहते हैं ? भगतजी महाराज के उपदेश के आधार पर जवाब लिखिए ?

गुण : १

४. जूनागढ़ में भगतजी महाराज का अपूर्व सम्मान किस संवत् में कौन से महोत्सव के अवसर पर हुआ ?

गुण : १

५. भगतजी महाराज के शिष्यमंडल के किसी भी दो संतों के नाम लिखिए ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।  
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है ।

गुण : २

(१)  भूत में धारण करने की शक्ति है, तो क्या भगवान में नहीं है ?

(२)  भगवान ऐसे गैरे को धारण नहीं करता ।

(३)  वह उन्हीं को धारण करता है जो उससे अतिशय वैराग्य एवं आसक्ति रखते हैं ।

(४)  स्वामी के अखण्ड सुख का अनुभव करता हूँ ।

२. संतत्व की कला जिसने सीख ली ।

गुण : २

(१)  वह भगवान से दूर नहीं हैं ।

(२)  ऐसा भक्त अनन्त जीवों के दुःख दूर करने में सहायता करता है ।

(३)  पंच-इन्द्रियों के विषयों को जीत लेते हैं ।

(४)  अपने में संयुक्त कर देता है ।

३. गिरधरभाई ।

गुण : २

(१)  गढ़डा में हरिकृष्ण महाराज ने दर्शन दिए । (२)  सद्गुरु की खोज में ।

(३)  पार्षदों के समागम में रहे ।

(४)  भगतजी परम एकान्तिक भक्त ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । ( कुल गुण : ६ )

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. सत्संग सुख : स्वामी ने भगतजी से कहा : 'ये संन्यासी के वस्त्र बन्धकारी हैं अतः जंगल जाओ और तपश्चर्या करो ।' परन्तु संतोंने कहा : 'ब्रह्मचर्य का कठोर पालन करते हुए भगवान का भजन करेंगे । संतो का यह दृढ़ निश्चय सुनकर स्वामी बहुत प्रसन्न हुए ।'

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

२. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व : बहुत सारे त्यागी संत जो भगतजी के सम्पर्क में आए, भगतजी उन्हें श्वेत धर्म के सिद्धान्त (स्त्रीयों को न देखना) के पालन की प्रेरणा देते । इस प्रकार से उन्हें निर्वासनिक बनने की, विषय-विकारो को छोड़ने की प्रेरणा मिली । वे उन्हें तपश्चर्या की रीति सिखाते और कहते : 'बिना खाए रसकी इन्द्रिय से भगवान का स्मरण करो ।'

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

३. अक्षर के ज्ञान का उद्घोष : वड़ताल मन्दिर के कोठारी जीभाई से जागा स्वामी की महिमा के बारे में बातें कर रहे थे । जागा स्वामी की महिमा उनसे सहन नहीं हुई और आवेश में शास्त्रीजी महाराज से कहा : 'ऐसी बातें करोगे तो तुम्हारी कोई पिटाई कर देगा ।'

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

४. शिष्य की योग्यता की परीक्षा : शिष्य का यह कर्तव्य है कि सोचकर स्वामी की समस्त बातों का पालन करे । जो आज्ञाएँ भगवान विरुद्ध हों केवल उनका ही पालन सोचकर करना चाहिए ।

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

५. रुग्णता का आशीर्वाद माँगा : संवत् १९९९ में वड़ताल में हरिकृष्ण महाराज की मूर्ति स्थापित की जा रही थी, तब जागा स्वामी ने गोपीनाथ महाराज और राधिका की मूर्तियों के लिए सुन्दर वस्त्र तैयार किए और आचार्य भगवत्प्रसादजी महाराज को भेंट किए ।

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

६. ऐश्वर्य दर्शन : भगतजी ने उन्हें खड़े रहने को कहा कि एक-दूसरे का कपड़े पकड़ लो और आज्ञा करी कि बुलंद आवाज में प्रार्थना करो ।

उ. ....

.....

गुण : १	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें